जग मे सबसे महान, सत्गुरु की पूजा

तर्ज : जन जन की अरदास पूरी कर दाता
रहमत से सबकी झोलियाँ, भर दाता

जग मे सबसे महान, सत्गुरु की पूजा
करते भाग्यवान, सत्गुरु की पूजा

सत्गुरु के दीदार से सोये भाग जगे
सत्गुरु की किरपा से सारे भरम मिटे
निराकार साकार के बीच के पर्दे हटे
पल में चौरासी के भी सब फेरे कटे।
ईश्वर का वरदान, सत्गुरु की पूजा
करते भाग्यवान.....॥१॥

भक्तों की जिन्द जान, सत्गुरु होते हैं
भक्ति के तो प्राण, सत्गुरु होते हैं
मानव जीवन की शान, सत्गुरु होते हैं
धरती पर भगवान, सत्गुरु होते हैं।
नारायण पूजा जान, सत्गुरु की पूजा
करते भाग्यवान.....॥२॥

ना किसीसे हो तकरार, सत्गुरु कहते हैं
दीवार रहित संसार सत्गुरु कहते हैं
सबसे करो तुम प्यार, सत्गुरु कहते हैं
सबका करो सत्कार, सत्गुरु कहते हैं।
गुरु वचन को दिलवर मान, सत्गुरु की पूजा
करते भाग्यवान, सत्गुरु की पूजा ॥

जग में सबसे महान, सत्गुरु की पूजा
करते भाग्यवान, सत्गुरु की पूजा ॥